



युवा प्रभाग-दिव्य दर्पण गुप
सितम्बर 2012 मास के पुरुषार्थ की प्वाइंट्स

सितम्बर मास का चार्ट:

लक्ष्य – बाबा से सर्व संबंध

हम वे भाग्यशाली आत्माएं हैं जिन्हें भागवान का सत्य परिचय मिला, पिता बनकर हमारी पालना कर रहे हैं, शिक्षक बनकर स्वयं भगवान हमें पढ़ाते हैं, सत् गुरु बनकर वरदान लूटा रहे हैं, सखा बनकर साथ दे रहे हैं, बंधु बनकर हर बाधा से मुक्त कर रहे हैं....केवल यही तो समय है सारे कल्प में जब हम भगवान से सर्व संबंधों का अनुभव कर सकते हैं जो सर्व संबंधों में परिपूर्ण है।

आओ, हम इस कल्याणकारी पुरुषोत्तम संगमयुग में परमात्मा के साथ सम्पूर्ण संबंधों का आनन्द लें और आत्मा को भरपूर करें।

विधि :

सप्ताह	दिव्य दर्पण का संबंध, धारणा और वायदें
पहला	बाप – ईमानदार - सन शोज़ फाधर
दूसरा	टीचर – आज्ञाकारी – स्टुडण्ट शोज़ टीचर
तीसरा	सत् गुरु - फरमानवरदार – जहाँ बीठाये, जैसे चलायें
चौथा	साज़न – वफादार – तुम्ही संग बैठूं, तुम्ही संग बात करूं

मास के 4 सप्ताह में यह पुरुषार्थ करना है जिसमें पहले दिन उस पर चिन्तन करना है और कम से कम 15 लाइन्स उस पर लिखनी है। फिर 5 दिन उसी पॉइन्ट को चेक करना है और स्वयं में परिवर्तन लाना है। सातवें दिन उस पुरुषार्थ का अनुभव लिखना है। यह चिन्तन और अनुभव की पॉइन्ट्स आप युवा प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यालय – अहमदाबाद, महादेवनगर भेजना जी।

फ्रेमबुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिन्दु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30
2. अमृतवेला - 3.30 से 4.45, बाबा के कमरे में
3. व्यायाम/पैदल- हाँ जी
4. ट्रैफिक कंट्रोल- 5
5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी
6. अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी
7. स्वमान की स्मृति - बहुत अच्छी
8. नुमाशाम का योग- हाँ जी
9. सर्व संबंध - 80%
10. गुड नाइट- रात्रि 9.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बाँधेंगे:

1. कितने भी विघ्न आयें हम एक बल और एक सहारे से अचल और अडोल रहेंगे।
2. ब्राह्मण जीवन की मर्यादा से विपरीत हो ऐसे इन्टरनेट, वेब साइट, sms, mobile और T.V. का उपयोग नहीं करेंगे।

❖ अभ्यास: ज्वालामुखी स्थिति द्वारा दुःखी और अशान्त आत्माओं पर रहम करना।

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिन्तन कर 10 प्वाइंटस लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरूर लिखें।

❖ स्वमान:

1. मैं आत्मा कुल दिपक हूँ।	16. मैं आत्मा वरदानी हूँ।
2. मैं आत्मा ईमानदार हूँ।	17. मैं आत्मा महादानी हूँ।
3. मैं आत्मा मा.रचयिता हूँ।	18. मैं आत्मा मनमनाभव के मंत्र में स्थित रहनेवाली हूँ।
4. मैं आत्मा मा.भगवान हूँ।	19. मैं आत्मा रहेनुमा हूँ।
5. मैं आत्मा मा.प्रेम का सागर हूँ।	20. मैं आत्मा कल्याणकारी हूँ।
6. मैं आत्मा मा.शान्ति का सागर हूँ।	21. मैं आत्मा मा.दुखहर्ता सुखकर्ता हूँ।
7. मैं आत्मा मा.सर्व शक्तिवान हूँ।	22. मैं आत्मा वफादार हूँ।
8. मैं आत्मा आज्ञाकारी हूँ।	23. मैं आत्मा पारदर्शी हूँ।
9. मैं आत्मा गोड़ली स्टुडण्ट हूँ।	24. मैं आत्मा मन, वचन, कर्म से समर्पित हूँ।
10. मैं आत्मा मा. ज्ञान सागर हूँ।	25. मैं आत्मा सदा सुहागिन हूँ।
11. मैं आत्मा ज्ञानी तू आत्मा हूँ।	26. मुझ आत्मा का साथी स्वयं भगवान है।
12. मैं आत्मा ज्ञान स्वरूप हूँ।	27. मैं आत्मा परमात्मा राम की सीता हूँ।
13. मैं आत्मा ज्ञान की देवी हूँ।	28. मैं आत्मा सदा श्रृंगारित हूँ।
14. मैं आत्मा त्रिकालज्ञानी हूँ।	29. मैं आत्मा दिलाराम की दिलरूबा हूँ।
15. मैं आत्मा फरमानवरदार हूँ।	30. मैं आत्मा पदमापदम सौभाग्यशाली हूँ।
	31. मैं आत्मा अखण्ड सौभाग्यशाली हूँ।

❖ हर मास के प्रथम सप्ताह में निम्नलिखित पोस्टकार्ड लिखकर महादेवनगर युवा प्रभाग कार्यालय में भेजना है।
अगर आप मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में शामिल होना चाहते हैं तो पोस्टकार्ड में जरूर से लिखें:

नाम: _____	सेन्टर का नाम: _____	DiDar No: _____
गुड मॉर्निंग-90%		अमृतवेला-75%
व्यायाम/पैदल-80%		ट्रैफिक कन्ट्रोल-90%
मुरली क्लास-90%		नुमाशाम का योग-80%
स्वमान की स्मृति-75%		अव्यक्त मुरली पढ़ी?-80%
सर्व संबंध -80%		गुड नाइट-95%
चार्ट: OK या OK		टीचर के हस्ताक्षर
मैं मर्यादा पुरुषोत्तम ग्रुप में जुड़ना चाहता हूँ।		